तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
भुवनेश्वर

दीक्षण

तिमाही ई-पत्रिका (जुलाई- सितंबर 2024)

हमारे संरक्षक

सुश्री. निधि पाण्डे,भा.सू.से.
आयुक्त
के. वी. सं. मुख्यालय

सुश्री. चंदना मंडल
संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण)
के. वी. सं. मुख्यालय

संपादक-मंडल

श्री डी. विक्रम कुमार वर्मा
प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक)

श्री राजेश कुमार गड़तीया
प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक)

Website: http://www.zietbhubaneswar.kvs.gov.in
Blog: https://zietbbsronline.blogspot.com
https://www.facebook.com/ziet.bhubaneswar.9
https://twitter.com/zietbhubaneswar

निदेशक की कलम से........

"हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है I"

- कमलापति त्रिपाठी

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर में जुलाई से सितंबर 2024 तिमाही के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे जोरों पर आयोजित किए गए। इन 3 महीनों में इस संस्थान के कैलेंडर के अनुसार और मुख्यालय द्वारा सौंपे गए कई प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए गए । हमारी तिमाही ई-पत्रिका 'दीक्षण' का यह अंक उन सभी गतिविधियों की एक झलक प्रस्तुत करता है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और प्रावधानों के अनुसार इस संस्थान में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वियन को उचित महत्व दिया जाता है। हमारे कार्यालय में अधिकतम कार्य राजभाषा में होता है। इस संस्थान द्वारा आयोजित किये जाने वाले हर प्रशिक्षण कार्यक्रम में निश्चित रूप से राजभाषा के कार्यान्वियन पर सत्र शामिल किये जाते हैं। संस्थान में सितम्बर 2024 में हिंदी पखवाड़ा का भव्य आयोजन हुआ। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत इस संस्थान के कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए और विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वियन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राजभाषा का अक्षरशः प्रभावी कार्यान्वियन सुनिश्चित करना हमारा निरंतर प्रयास है।

डॉ. सिहरन बोस

निदेशक

"शिक्षण केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है; यह परिवर्तन को प्रेरित करना है। सीखना केवल तथ्यों को आत्मसात करना नहीं है; यह समझ प्राप्त करना है।

-विलियम आर्थर वार्ड"

हमारा सम्मान, स्वाभिमान और गर्व है - हिंदी

हिंदी, जिसे हमारे देश की राजभाषा माना जाता है, एक समृद्ध और विविधता से भरी भाषा है। इसकी विशेषताएँ इसे न केवल एक संचार का माध्यम बल्कि भारतीय संस्कृति और पहचान का भी अभिन्न हिस्सा बनाती हैं। हिंदी भाषा का इतिहास प्राचीन संस्कृत से जुड़ा हुआ है। हिंदी विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। यह एक विकासशील भाषा है, जो समय के साथ बदलती रही है। हिंदी ने प्राकृत और अपभ्रंश जैसी भाषाओं से प्रेरणा ली है और इसके विकास में कई महान कवियों और लेखकों का योगदान रहा है।

हिंदी की व्याकरण संरचना स्पष्ट और सुगम है। इसमें संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि का सही उपयोग भाषा की सुंदरता को बढ़ाता है। हिंदी में लिंग और वचन की स्पष्टता इसे अन्य भाषाओं से अलग बनाती है। इसके अलावा, हिंदी में अनेक शब्दों के विभिन्न अर्थ होते हैं, जो संवाद को और भी गहरा बनाते हैं। हिंदी भाषा का साहित्य बहुत समृद्ध है। कविता, उपन्यास, नाटक, और कथा लेखन में हिंदी ने अद्भुत रचनाएँ प्रस्तुत की हैं। हिंदी साहित्य में अनेक महान लेखकों की रचनाएँ शामिल हैं, जिन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को उठाया है। यह साहित्य न केवल मनोरंजन प्रदान करता है, बल्कि समाज को जागरूक भी करता है। हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह विभिन्न बोलियों और क्षेत्रीय विशेषताओं का समावेश करती है।

आज के समय में, हिंदी केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी लोकप्रियता हासिल कर रही है। हिंदी फिल्मों, गीतों और साहित्य ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान दिलाई है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी महत्ता और बढ़ी है। हिंदी भाषा की विशेषताएँ इसे एक अद्वितीय और समृद्ध भाषा बनाती हैं। इसकी विविधता, साहित्यिक समृद्धि, और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे केवल एक संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की पहचान बनाती हैं। हिंदी भाषा का संरक्षण और संवर्धन हमारे लिए आवश्यक है, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवित रह सके।

डी. विक्रम कुमार वर्मा
प्रशिक्षण सहयोगी

प्रशिक्षण पर एक नजर

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	01 - 12 जुलाई 2024	प्रधानाध्यापिकाओं / प्रधानाध्यापकों के लिए सेवाकालीन पाठ्यक्रम (प्रथम चरण)	44
2	02,03,09 & 10 जुलाई 2024	नवनियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी) के लिए प्रेरण पाठ्यक्रम (ऑनलाइन चरण)	36
3	02,03,09 & 10 जुलाई 2024	नवनियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षक (गणित) के लिए प्रेरण पाठ्यक्रम (ऑनलाइन चरण)	25
4	11,19 & 26 जुलाई 2024	नव नियुक्त प्राचार्यों हतु प्रेरण, सामग्री संवर्धन और शैक्षणिक प्रशिक्षण (ऑनलाइन)	96
5	22, 23, 25 & 26 जुलाई 2024	नवनियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षक (जीव-विज्ञान) के लिए प्रेरण पाठ्यक्रम (ऑनलाइन चरण)	67
6	05 - 09 अगस्त 2024	'मध्यम चरण में विज्ञान में शिक्षाशास्त्र और आकलन ' पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (विज्ञान) के लिए कार्यशाला (समूह-1)	38
7	05 - 09 अगस्त 2024	'अर्थशास्त्र में शिक्षाशास्त्र और आकलन ' पर कार्यशाला	37
8	13-14 अगस्त 2024	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों के लिए 'मध्य चरण में क्रॉस-कटिंग विषयों का एकीकरण' पर कार्यशाला	47
9	19 - 23 अगस्त 2024	'भौतिकी में शिक्षाशास्त्र और आकलन ' पर कार्यशाला	38
10	09, 16 & 23 अगस्त 2024	नव नियुक्त प्राचार्यों हतु प्रेरण, सामग्री संवर्धन और शैक्षणिक प्रशिक्षण (ऑनलाइन)	95
11	28 अगस्त 2024	'समावेशी शिक्षा' पर स्नातकोत्तर शिक्षकों के लिए कार्यशाला	48
12	27 - 30 अगस्त 2024	'के.वि. सं. के गैर-शिक्षण कर्मचारियों (सहायक अनुभाग अधिकारी / वरिष्ठ सचिवालय सहायक) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम' (समूह-1)	48
13	02 - 06 सितम्बर 2024	'फाउंडेशन चरण में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता की प्राप्ति और मूल्यांकन' पर प्राथमिक शिक्षकों के लिए कार्यशाला	39
14	11 सितम्बर 2024	'21वीं सदी के कौशल' पर प्राथमिक शिक्षकों के लिए कार्यशाला (ऑनलाइन)	46
15	11 सितम्बर 2024	नव नियुक्त वरिष्ठ सचिवालय सहायकों हेतु प्रेरण पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशकों/ सह-पाठ्यक्रम निदेशकों/ संसाधकों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)	14
16	12 - 13 सितम्बर 2024	ई-ग्रंथालय 4.0 के माध्यम से डिजिटल पुस्तकालयों को बनाने में पुस्तकालयाध्यक्षों का क्षमता निर्माण (ऑनलाइन)	48
17	17 सितम्बर 2024	'राजभाषा कार्यान्वयन' हेतु कार्यशाला (ऑनलाइन)	44
18	23-27 सितम्बर 2024	'मध्यम चरण में विज्ञान में शिक्षाशास्त्र और आकलन ' पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (विज्ञान) के लिए कार्यशाला (समूह-2)	39

Trainings at a glance

S.No.	Dates	Name of the Training Programme	No. of Participants
1	01 – 12 July 2024	In-service Course for HMs (Spell-1)	44
2	02,03,09 & 10 July 2024	Induction Course for Newly recruited PGTs (Hindi) Online Phase	36
3	02,03,09 & 10 July 2024	Induction Course for Newly recruited PGTs (Mathematics) Online Phase	25
4	11,19 & 26 July 2024	Induction, Content Enrichment and Pedagogical Training of newly recruited Principals (Online)	96
5	22, 23, 25 & 26 July 2024	Induction Course for Newly recruited PGTs (Biology) Online Phase	67
6	05 – 09 Aug 2024	Workshop for TGTs (Science) on 'Pedagogy and Assessment in Science in Middle stage' (Batch-1)	38
7	05 – 09 Aug 2024	Workshop on 'Pedagogy of Economics and Assessment'	37
8	13-14 Aug 2024	Workshop on 'Integration of cross-cutting themes in Middle stage' for TGTs (All Subjects)	47
9	19 – 23 Aug 2024	Workshop on 'Pedagogy of Physics and Assessment'	38
10	09, 16 & 23 Aug 2024	Induction, Content Enrichment and Pedagogical Training of newly recruited Principals (Online)	95
11	28 Aug 2024	Workshop for PGTs on 'Inclusive Education'	48
12	27 – 30 Aug 2024	'Capacity Building Programme for Non-teaching Staff (ASO/SSA) of KVS' (Batch-1)	48
13	02 – 06 Sep 2024	Workshop for PRTs on 'Attainment and Assessment of FLN in Foundation Stage'	39
14	11 Sep 2024	Workshop for PRTs on '21st Century Skills' (Online)	46
15	11 Sep 2024	Orientation Course for CDs/ACDs/RPs of Induction Course for newly recruited SSAs (Online)	14
16	12 – 13 Sep 2024	Capacity Building of Librarians in making Digital Library through e-Granthalay 4.0 (Online)	48
17	17 Sep 2024	Workshop for 'Implementation of Rajbhasha' (Online)	44
18	23-27 Sep 2024	Workshop for TGTs (Science) on 'Pedagogy and Assessment in Science in Middle stage'(Batch-2)	39

हिंदी पखवाड़ा 2024 का आयोजन

यह संस्थान केंद्रीय विद्यालय संगठन (मुख्यालय) के निर्देशन में उत्तरोत्तर अपने दायित्वों का निर्वहन करता जा रहा है । इसी कड़ी में दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक संस्थान मे हिंदी पखवाड़ा मनाया गया ।

दिनांक 13.09.2024 को इस कार्यालय में हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ हिन्दी दिवस समारोह के आयोजन के साथ किया गया । इस समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. सिहरन बोस, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर एवं उपायुक्त , केन्द्रीय विद्यालय संगठन ,भुवनेश्वर संभाग के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ । इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम जेसे कविता वाचन,कहानी कथन ,प्रश्नोतरी इत्यादी भी आयोजित किये गए थे । मुख्य अतिथि महोदय ने कार्यालयीन कामकाज मे राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी से राजभाषा की प्रगति के लिए सत्यनिष्ठा से कार्य करने की अपील की ।

पखवाड़े के अंतर्गत राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वियन पर जागरूकता पैदा करने के लिए दिनांक 17.09.2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राजभाषा वार्षिक लक्ष्य, राजभाषा अधिनियम, संवेधानिक प्रावधान,नियम पर सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला का 50 प्रतिशत से अधिक समय अभ्यास के लिए समर्पित था।

दिनांक 19.09.2024 को संस्थान के कर्मचारियों के लिए संगणक में टंकण प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

दिनांक 25.09.2024 को "मध्य चरण में विज्ञान के शिक्षाशास्त्र और आकलन " पर संस्थान में आयोजित हो रहे कार्यशाला के दौरान प्रातः कालीन सभा का आयोजन पूर्ण रूप से हिंदी में किया गया । प्रतिभागियों ने दैनिक प्रतिवेदन, प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ और अन्य विशेष कार्यक्रम हिंदी में प्रस्तुत किये।

संस्थान के सूचना बोर्ड पर नियमित रूप से प्रतिदिन हिंदी में सुविचार लिखे जाते हैं और सूचना पट्ट पर द्विभाषी रूप मे दैनिक समाचार लिखे जाते हैं ।

दिनांक 30.09.2024 को हिंदी पखवाड़ा का समापन हुआ जिसमे संस्थान के निदेशक डॉ. सिहरन बोस उपस्तिथ थे। इस कार्यक्रम में संस्थान के राजभाषा प्रभारी द्वारा हिंदी पखवाड़ा के आयोजन पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

Hindi Pakhwada 2024

Under the guidance of Kendriya Vidyalaya Sangathan (Head Quarters), this institute is progressively discharging its responsibilities. As a part of this, the Hindi Pakhwada 2024 was celebrated in the institute from 14th to 28th September 2024.

Hindi Pakhwada commenced on 13.09.2024 with the celebration of 'Hindi Diwas'. The programme was inaugurated by lighting the lamp by the Chief Guest Dr. Shiharan Bose, Director, ZIET, Bhubaneswar and Deputy Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan, Bhubaneswar Region. Cultural programs like Hindi Poem recitation, story-telling, quiz etc. were also organized in this function. The Chief Guest highlighted the importance of the official language in official work and appealed to everyone to work with integrity for the progress of the official language.

A one-day workshop was organized on 17.09.2024 to create awareness on effective implementation of the official language Hindi as a part of the Hindi Pakhwada 2024. In this workshop, sessions were organized on Annual Programme for implementation of Official Language, Official Language Act, Constitutional Provisions and Rules. More than 50 percent of the workshop time was devoted to practice.

Hindi typing on Computer competition was organized for the employees of the institute on 19.09.2024.

During the ongoing workshop in the institute on "Pedagogy and Assessment of Science in the Middle Stage", the morning assembly on 25.09.2024 was organized completely in Hindi. The participants presented daily report, quiz, poem recitation and other special programs in Hindi.

Inspiring thoughts and quotes are regularly written in Hindi on the notice board of the institute every day and daily news is written in bilingual form on the notice board.

Hindi Pakhwada concluded on 30.09.2024 in which the Director of the Institute, Dr. Shiharan Bose was present. In this program, a report on the programmes organised during Hindi Pakhwada, was presented by the Rajbhasha in-charge of the institute. After this, the winners of various competitions were honoured with certificates and cash prizes.

हिंदी भाषा उन्नति के बिना हमारी उन्नति असंभव है।

प्रशिक्षण की झलकियाँ

Glimpses of Training

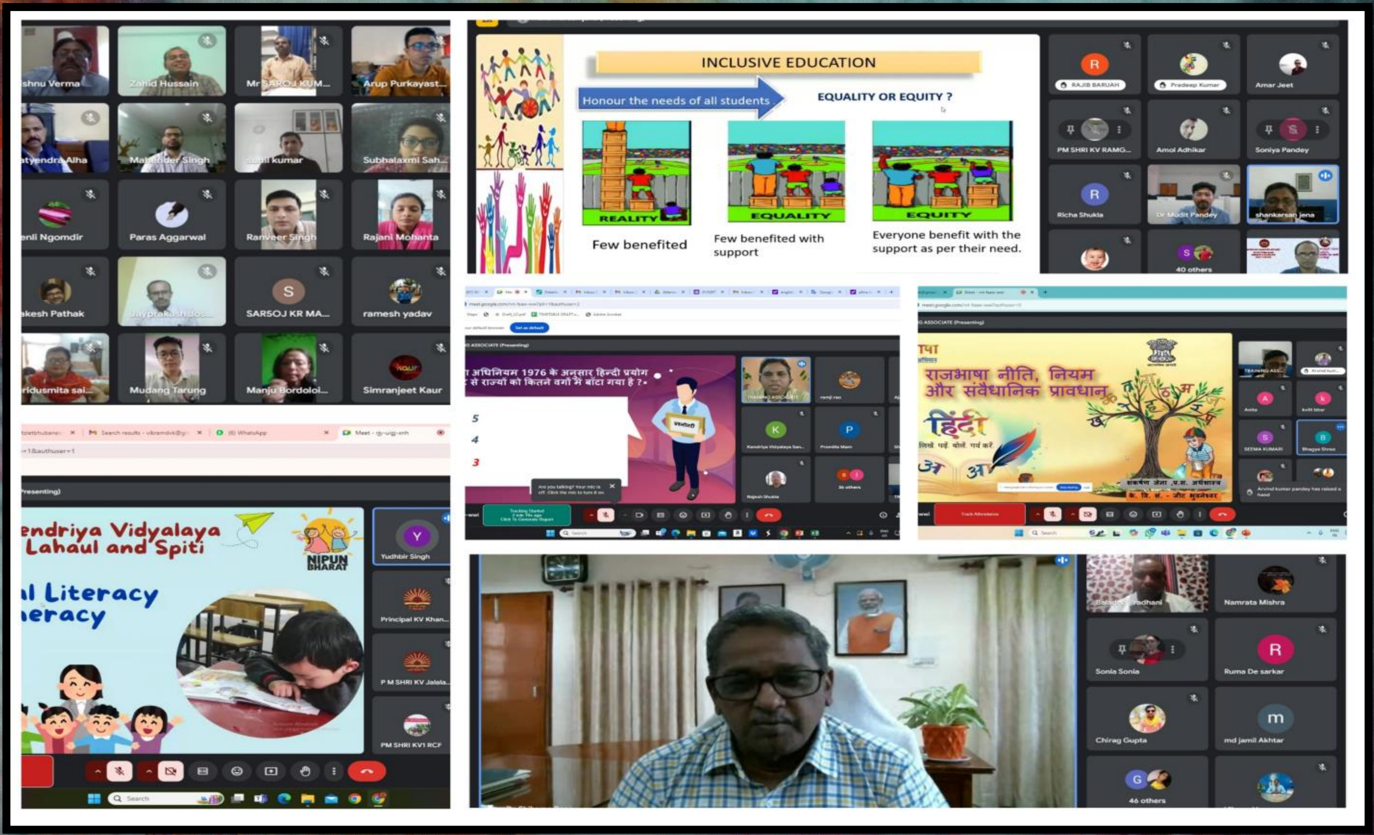

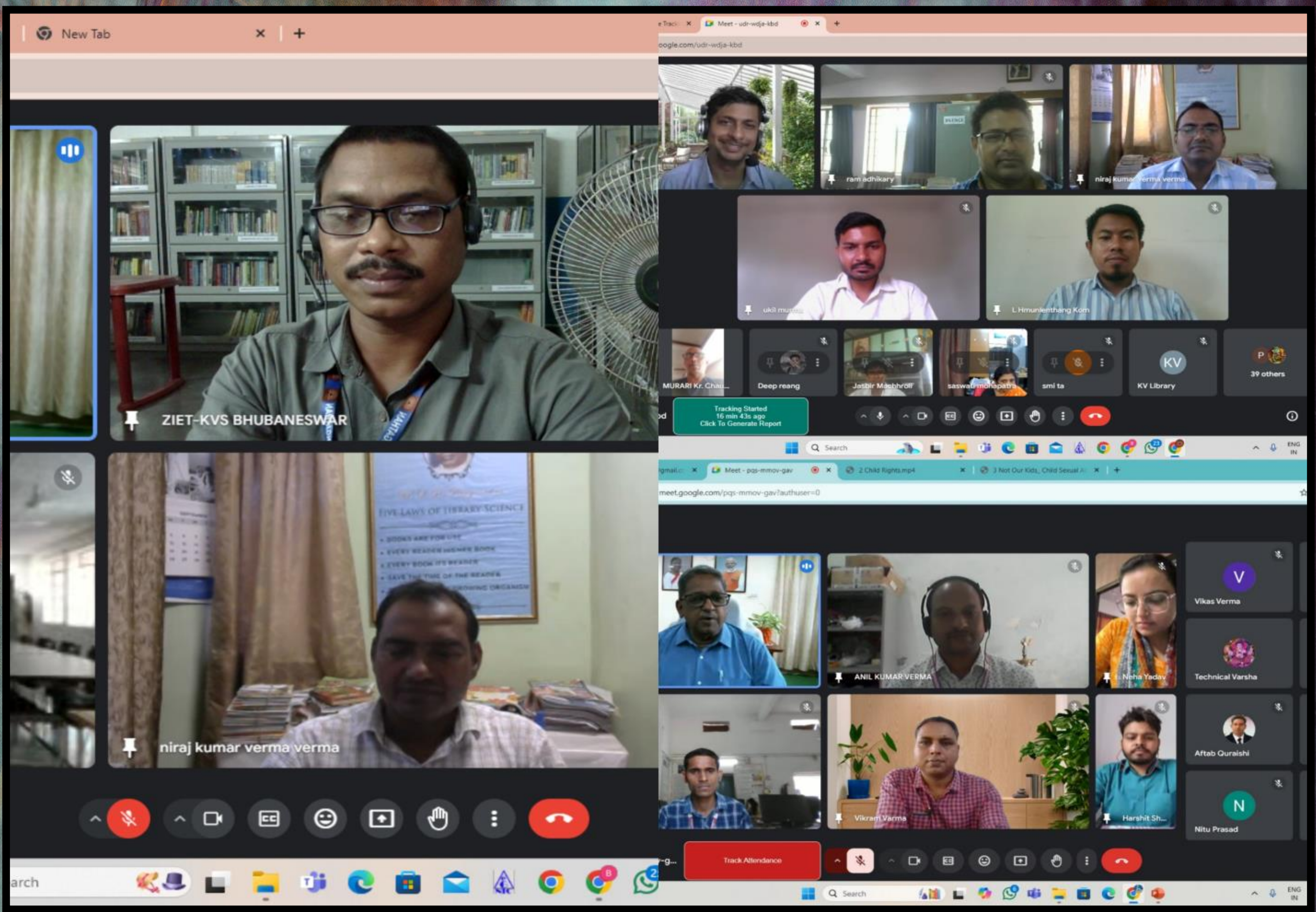

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

"हिंदी भाषा उस समुद्र जलराशि की तरह है
जिसमें अनेक नदियाँ मिली हों।"

Website: http://www.zietbhubaneswar.kvs.gov.in
Blog: https://zietbbsronline.blogspot.com
https://www.facebook.com/ziet.bhubaneswar.9
https://twitter.com/zietbhubaneswar